

अरागी वि. (तत्.) रागरहित, वासनाविहीन, उदासीन।

अराज वि. (तत्.) बिना राजा का पुं. 1. अराजकता, शासन की अव्यवस्था 2. राजा या शासक का अभाव।

अराजक वि. (तत्.) 1. वह स्थान या देश जहाँ राजा न हो 2. अराजकता पूर्ण।

अराजकता स्त्री. (तत्.) 1. किसी शासन की ऐसी अव्यवस्था जहाँ सारे काम अस्त-व्यस्त हों, जहाँ शासन-व्यवस्था पर नियंत्रण न हो 2. देश या समाज की वह अवस्था जिसमें विधि और व्यवस्था का अभाव हो, शासन का अभाव, अव्यवस्था anarchy

अराजकतावाद पु. (तत्.) पूर्ण सामाजिक तथा राजनीतिक स्वातंत्र्य के लिए सरकार या सरकारी प्रतिबंधों की अनिवार्यता का विरोधी सिद्धांत। anarchism

अराजकवादी वि. (तत्.) अराजकतावाद का समर्थक।

अराजन्य वि. (तत्.) अराजसी, गैर-शाही 1. क्षत्रियविहीन (राज्य) 2. जो क्षत्रिय न हो।

अराजपत्रित वि. (तत्.) वह सरकारी कार्मिक या कर्मचारी जो राजपत्रित न हो अर्थात् जिसकी नियुक्ति, पदोन्नति आदि से संबंधित विवरण राजपत्र में प्रकाशित न होता हो, अधिकारी से निचले स्तर का कर्मचारी तु. राजपत्रित अधिकारी

अराजी स्त्री. (अर.) 1. धरती, जमीन 2. खेती की जमीन, कृषिभूमि।

अराति पुं. (तत्.) 1. शत्रु, दुश्मन, प्रपीड़क 2. कुंडली का छठा स्थान 3. दुःख, कष्ट 4. काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर नाम के छह शत्रु।

अराधना स्त्री. (तद्.) दे. आराधना।

अराबा पुं. (अर.) 1. रथ 2. गाड़ी 3. तोप ले जाने वाली गाड़ी।

अराम पुं. (फा.) दे. आराम।

अरारी स्त्री. (देश) आयु. एक औषधीय वृक्ष जिसके फूल और फल आसमानी रंग के, तथा पत्ते दुर्गंधयुक्त होते हैं पर्या. करंजिया।

अरारुट पुं. (अं.) एक विशेष पौधा मैरान्टा अरुन्डिनेसिया जिसके कंद को पीस कर आटा बनाया जाता है, अरारोट। arrowroot

अरारोट पुं. (अं.) दे. अरारुट।

अराल वि. (तत्.) पहिए के अरों की तरह वक्रिल, टेढ़ा-तिरछा, कुटिल, वक्र हस्त, मतवाला, मुड़ा हुआ, उदा. 'आलोक वसन लपटा अराल (प्रसाद-कामा. 'इड़ा') पुं. केश, मतवाला हाथी।

अराला स्त्री. (तत्.) पथभ्रष्ट नारी, सतीत्वहीन नारी, वेश्या, पुंश्चली।

अराष्ट्र वि. (तत्.) 1. राजसत्ता का नाश 2. राष्ट्रत्व का अभाव 3. राजसत्ता का अभाव, राष्ट्रहीन व्यक्ति।

अराष्ट्रिक वि. (तत्.) जो राष्ट्र का न हो, जो राष्ट्र-संबंधी न हो।

अरिदम वि. (तत्.) अरि का दमन करने वाला, शत्रुनाशक, वैरी का नाश करनेवाला।

अरि पुं. (तत्.) 1. शत्रु, वैरी, दुश्मन 2. चक्र 3. षड्रिपु, काम, क्रोध आदि छह शत्रु।

अरिकर्षक पुं. (तत्.) शत्रु को वश में रखने वाला। शत्रु को हराने वाला, शत्रु को सताने वाला।

अरिकुल पुं. (तत्.) शत्रुओं का दल या समूह।

अरिक्थभाग वि. (तत्.) जिसे पिता द्वारा छोड़ी गई संपत्ति का मांग न मिले, पैतृक संपत्ति का अधिकारी न हो।

अरिता स्त्री. (तत्.) शत्रुता, रिपुता, वैर।

अरित्र पुं. (तत्.) 1. पतवार, डौड़, नाव खेने का बल्ला, नाव, पोत 2. लंगर वि. (तत्.) शत्रु से रक्षा करनेवाला, आगे बढ़ाने वाला।

अरिदमन वि. (तत्.) शत्रु का नाश करनेवाला पुं. 1. शत्रुघ्न, शत्रुमर्दन 2. शत्रु को नष्ट करने की क्रिया या भाव।